

| | |
|--|------------|
| Winfried Kretschmann | |
| Grußwort | 7 |
| Axel Nawrath | |
| Grußwort | 9 |
| Christiane Lange | |
| Vorwort | 11 |
| Dank | 13 |
| Ina Conzen | |
| Oskar Schlemmer – Visionen einer neuen Welt | 15 |
| 1906–1920 Studien- und Kriegsjahre | 38 |
| Katalognummern 1–24 | |
| 1921–1929 Oskar Schlemmer am Bauhaus in Weimar und Dessau | 58 |
| Katalognummern 25–73 | |
| 1929–1933 Lehrer in Breslau und Berlin | 100 |
| Katalognummern 74–109 | |
| 1933–1943 Der verfemte Künstler | 134 |
| Katalognummern 110–139 | |
| Friederike Zimmermann | |
| Oskar Schlemmer als Wandgestalter | 157 |
| Katalognummern 140–182 | |
| Karin von Maur | |
| Oskar Schlemmer als Tanzgestalter und Bühnenbildner | 191 |
| Katalognummern 183–224 | |
| Birgit Sonna | |
| Der Neue Mensch – Utopie und Ideologie | 247 |
| Wolf Eiermann | |
| Arterien der Weltliteratur – Schlemmer liest. Schlemmer schreibt. | 257 |
| Susanne M. I. Kaufmann | |
| Oskar Schlemmer – Der unbekannte Bekannte | 267 |
| Werkkatalog | 283 |
| Auswahlbibliografie | 292 |
| Index | 296 |